निदेशक की कलम से .....

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग हेतु अनुकूल वातावरण बनाए रखने तथा राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिन्दी के ध्वज को पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ सदैव ऊँचा रखने के लिए हिन्दी और हिन्दी से जुड़े कार्यक्रमों को जारी रखना बेहद जरूरी है। हमारे देश में सभी सरकारी संस्थाएं / संगठन हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए वर्षभर अनेक समारोह, कार्यशाला तथा प्रतियोगिताएं आयोजित करते हैं ताकि पदाधिकारियों में हिन्दी के प्रयोग के प्रति निरन्तर रूचि बनी रहे। ये कार्यक्रम किसी न किसी रूप में हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप आज शासकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग की दिशा में काफी हद तक सफलता भी मिली है। विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में भी हिन्दी भाषा के प्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आज कई वैज्ञानिक एवं अभियंतागण अपने वैज्ञानिक तथा तकनीकी प्रकृति के कार्यो में भी राजभाषा हिन्दी का यथासंभव प्रयोग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की जो कि भारत सरकार, जल संसाधन मंत्रालय के अधीन एक स्वायतशासी संस्था है, ने विगत 32–33 वर्षों में जलविज्ञान तथा जल संसाधन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों के आधार पर स्वयं को देश के एक अग्रणी शोध संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित किया है। अपने उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यो के बल पर ही आज इस संस्थान ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की अपने मूल कार्यो में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हर चौथे वर्ष जल संसाधन से जुड़े किसी एक विषय को लेकर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करता है। इस संगोष्ठी की समूची कार्यवाही अर्थात् संगोष्ठी की सूचना–विवरणिका से लेकर शोध पत्रों का आमंत्रण एवं प्रस्तुतिकरण, तकनीकी सत्रों का आयोजन तथा प्रोसीडिंग का मुद्रण आदि संबंधी समस्त कार्य हिन्दी में ही निष्पादित किए जाते हैं।

विगत कई वर्षो से चली आ रही हिन्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की इस परम्परा को जारी रखते हुए राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की इस वर्ष दिनांक 16–17 दिसम्बर, 2011 को ''जल संसाधनों के प्रबंधन में नवीनतम तकनीकों का प्रयोग'' विषय पर यह संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। प्रत्यक्ष तौर पर आम–जनता से जुड़े इस अत्यन्त महत्वपूर्ण मुद्दे को ध्यान में रखकर इस तरह की संगोष्ठी का आयोजन करना निःसंदेह एक सराहनीय तथा अनुकरणीय प्रयास है।

इस संगोष्ठी में देश के भिन्न–भिन्न भागों से प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। संगोष्ठी में सम्मिलित 42 शोध पत्रों को एक प्रोसीडिंग के रूप में संकलित किया गया है।

आशा है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा हिन्दी में आयोजित की जा रही यह संगोष्ठी राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ हिन्दी में तकनीकी लेखन को समुचित बढ़ावा देने मे भी कारगर सिद्ध होगी। जल संसाधन के क्षेत्र में कार्यरत सभी विद्वतजनों के लिए भी यह संगोष्ठी सार्थक एवं उपयोगी होगी।

मैं इस संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, समस्त प्रायोजक संगठनों, सभी प्रतिभागियों, आयोजनकर्ताओं तथा उन सभी व्यक्तियों का सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस संगोष्ठी के आयोजन में सहयोग दिया है।

(राजदेव सिंह)
निदेशक